भारत सरकार

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 344

उत्तर देने की तारीख 24 जून, 2019

सोमवार, 03 □ षाढ़, 1941 (शक)

कुशल कामगारों की कमी

344. डॉ॰ उमेश जी॰ जाधव:

क्या कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या चमड़ा उद्योग में कुशल कामगारों की भारी कमी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया है;

(ग) क्या सरकार ने देश में विशेषकर चमड़ा उद्योग के लिए कुशल श्रम शक्ति/कामगारों के विकास हेतु कोई नीतिगत ढांचा तैयार किया है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय में राज्य मंत्री

(श्री □ र. के. सिंह)

(क) से (घ) देश में फुटवियर, गैर चमड़ा फुटवियरों, चमड़ा वस्त्रों तथा चमड़ा वस्तुओं एवं उपसाधनों के निर्माणार्थ शॉफ्लोर कुशल जनशक्ति की मांग है। राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के अधीन कार्यरत चमड़ा सेक्टर कौशल परिषद (एलएसएससी) द्वारा लगाए गए अनुमान के अनुसार देश के विभिन्न भागों में प्रतिवर्ष लगभग 1,07,000 जनशक्ति की मांग है।

एलएसएससी ने चमड़ा उद्योग प्रशिक्षण पारिस्थितिकी तंत्र के सुगमीकरण को विशेष प्रभावित किया है। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएस□ई) की महत्वाकांक्षी स्कीम प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना 2.0 (2016-2020) के माध्यम से कौशल विकास कार्यक्रम में विशेषकर प्रशिक्षण और रोजगार के माध्यम से महिला सशक्तिकरण करके विभिन्न जिलों में हजारों लोगों की आजीविका में सुधार किया है। पीएमकेवीवाई स्कीम के तहत 63,000 युवाओं को चमड़ा सेक्टर में प्रशिक्षित किया गया है।

सरकार ने 2017-18 से 2019-20 की अवधि में 2600 करोड़ रूपए के अनुमोदित व्यय से केंद्रीय सेक्टर स्कीम ''इं□यन फुटवियर, लेदर एं□ एसेसिरिज □वलेपमेंट प्रोग्राम'' को अनुमोदित किया है, भारतीय फुटवियर, लेदर एं□ एसेसिरिज □वलेपमेंट प्रोग्राम की उप-स्कीम मानव संसाधन विकास (एचआर□ी) के अंतर्गत चमड़ा तथा जूता सेक्टर में प्रारंभिक कौशल विकास प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाता है। आज तक प्रारंभिक कौशल विकास प्रशिक्षण ने 1,84,136 बेरोजगार व्यक्तियों प्रशिक्षण प्रदान किया है तथा 1,33,136 प्रशिक्षार्थियों को 2017-18 से अब तक चमड़ा और जूता सेक्टर में रोजगार दिलाया है।

****